स्वतंत्र भारत @ 75: सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता

E-25

85/100

" समृद्धि लाने के लिए ईमानदारी अपनाएं
आइए भारत को आत्मनिर्भर बनाएं "

प्राचीन समय में भारत को सोने की चिड़िया कहा जाने वाला भारत देश २०० वर्षों तक अंग्रेजो का गुलाम रहा। हमारे सत्यनिष्ठ सेनानियों ने जनता के सहयोग के साथ देश को आजाद कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आखिरकार हमें 15 अगस्त 1947 में आजादी मिल गई।

आज देश को आजाद हुए 75 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इन वर्षों में अड़चने तो बहुत आई परन्तु भारत ने मुड़कर पीछे ना देखा। देश तो अपने लक्ष्यों की ओर एकटक देखता आगे बढ़ता ही रहा। आज देश प्रगति के पथ पर निरन्तर आगे बढ़ता जा रहा है।

आज कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं जहाँ हमारे देश ने ~~परचम~~ परचम ना लहराया हो। लेकिन यह 75 वर्षों का सफर बिलकुल भी आसान न था। कड़ी मेहनत की गई है। आज हम देश को इस मुकाम तक पहुँचाने के लिए प्रगति तो कर रहे हैं लेकिन देश की आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक मुख्य बाधा है। भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु सभी लोगों को जैसे सरकार, नागरिकों और निजी क्षेत्रो को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। इस दिशा में सत्यनिष्ठा से निति निर्माण किया जाना चाहिए।

हमारे प्रधानमंत्री जी पहले ही "आत्म निर्भर" बनाने के लिए योजना चला रहे है। लेकिन आज के समय में 'ईमानदारी' बनाने के लिए सेल्फ रिलायंस कॉन्सेप्ट से जोड़ा जाए।

" आजाद 75 सालों का जश्न हम मनाएंगे, सत्यनिष्ठा से
आत्मनिर्भर भारत हम बनाएंगे। "

सत्यनिष्ठा का जीवन में बड़ा महत्व माना गया है। इसके अनुसरण से कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को को नई दिशा दे सकता है। सच्चाई एवं ईमानदारी इसके करीबी आने वाले शब्द हैं अर्थात जो इंसान जीवन में सत्य की राह पर चलता है अथवा वह कुछ कहता है तथा उन्हीं बातों को अपने जीवन में आचरण में उतारता है, उन्हें ही सत्यवादी कहा जाता है।

हमेशा सत्य के मार्ग पर चलनेवाले को हार का सामना नहीं करना पड़ता। हर स्थिति चाहे अनुकूल या प्रतिकूल - सत्यनिष्ठा के साथ जीवन जीने वाला कभी पथ से विचलित नहीं होता। इन्हीं गुणों के कारण उन्हें समाज में अलग सम्मान मिलता। इसी तरह अगर पूरा देश सत्यनिष्ठ हो जाए तो क्या कहना। बस इसके दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प की जरूरत होती है।

"सत्यनिष्ठा के साथ हो नीति निर्माण, इससे भ्रष्टाचार को होगा जड़ से समाधान"

एक इंसान के रूप में हमारा आचरण ही भारत का सुनहरा भविष्य निश्चित कर नए भारत की दिशा तय कर रहा है। यह आरंभ है एक नए भारत की नींव की। स्वतंत्रता दिवस को संकल्प में बदल आगे 25 साल के लिए अमृत काल की यात्रा की शुरुआत हो चुकी है। देश में जिधर देखो उधर सभी तरह के सुधार हो रहे हैं।

अब आखिरी छोर पर बैठे व्यक्ति तक सरकारी सुविधाएँ पहुँचाने की कोशिश हो रही है। आत्मनिर्भर जैसी सरकारी योजनाओं के माध्यम से जनमानस में नई उम्मीद और ऊर्जा का संचार हो रहा है।

" भारत हमारी माता है, इसकी शान है स्वदेशी तकनीकों से अपनाएँ आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है "

हमें भारत में आत्मनिर्भरता, विकसित भारत, समृद्ध भारत जैसे कई सपने थे। लेकिन जरा सोचने का समय है कि क्या ये सब सपने सच हुए या बचे हुए हैं।

आत्म निर्भर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा भारत को आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की एक कोशिश है। तब तक विकसित देश श्रेणी में कोई गिनती नहीं रखी जाती तब तक वह अपने पैरों पर खड़े नहीं हो सकते।
किसी भी देश की दूसरे देश पर निर्भरता उस व्यक्ति के समान है जो बैशाखी के बिना एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकता आत्मनिर्भरता के महत्व को देखते हुए इस कार्यक्रम की शुरुआत श्री नरेन्द्र मोदी जी ने की थी। हम कह सकते हैं कि आत्मनिर्भरता की सच्ची स्वतंत्रता का एक मात्र रास्ता है। और स्वयं का व्यक्ति होना ही इसका अन्तिम प्रतिफल है लेकिन आजादी के इतने सालों बाद भी देश में लिंग, जाति या नैतिक मूल्यों के आधार पर लोगों के भेदभाव को दूर करना भी इस कदम को आगे बढ़ाना है।

अगर हमें देश को आत्मनिर्भर बनाना है तो हमें अपनी मानसिकता को बदलना होगा। क्योंकि यही पर सब कुछ खत्म होता है। हमारे समाज में जनता को कई हिस्सों में बांटने वाली भयानक और भीषण प्रथाएं अभी भी प्रचलित हैं और यह बदलने में हमें विकास और हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने से रोकती हैं। हम आजादी के 75 साल बाद भी ब्रिटिश विभाजन की प्रथा का पालन कर रहे हैं और इसने लंबे समय में हमारे समाज को नुकसान पहुँचाया है।

पिछले 14 वर्षों मे पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था "मैं एक ऐसे भारत का सपना देखता हूँ जो समृद्ध और देखभाल करने वाला हो। एक ऐसा भारत, जो सम्मान का स्थान प्राप्त करता है, महान राष्ट्रो का आगमन होता है।

हाल ही का उदाहरण लें तो पूरी दुनिया में कोरोना फैल गया था वास्तविक समय में सभी मार्ग पूरी तरह से बंद थे। ऐसे समय में हमने आत्मनिर्भरता का सहारा लेकर अपने देश में कई तरह की सुविधाओं मुहैया कराई है सभी जाति और धार्मिक भेदभाव को भूलकर हम एकता के सूत्र में है।

अंत में हम पूरी तरह से आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए बैठ सकते है। हम कह सकते है कि भारत अपनी अपनी अखंडता दिखाता है।

" आत्मनिर्भरता आत्म-सुधार और आत्मबोध की ओर ले जाती है। "

═ × ═

80/100

E9

Independent India @ 75: Self Reliance with Integrity.

After the Independence of 75 years, India is celebrating Azadi Ka Amrit Mahatsov under the leadership of Hon'ble prime Minister Sh. Narendra Modi.

India which is the Land of different Cultures, had celebrated in the different forms to devote the Thanks giving to the revolutionaries, who struggled for the freedom of India & lost their lives & gave self dependent Culture & India for the upcoming generations. from the British Government.

India being a developing Country has achieved high goals in the form of primary Sectors, Secondary Sectors & Tertiary Sectors. To throw some light with the effective government formation from the Independence of India., our country has ~~made~~ become a Nuclear power country, Manufacturing of Arms & Ammunitions, Military, Personnels, etc.

India being an independent country has signed Treaties with the neighbouring countries for future deals & aspects to increase the Gross domestic product value of the Countries. eg. Treaty signed for Chabahar port, Treaty signed for Rafale ~~deals~~ fighter planes, Submarine procurement with Russia, Treaty signed with Arab Countries like Iran for Export of Crude oil to. Flourish the market of Automobile Sectors.

As we all know, India ~~is dealing~~ along with the other countries is dealing with the pandemic situation of corona virus disease through which India has lost lot of ~~common~~ people & suffered their day to day life due to the pandemic.

The whole world were under lockdown from the month of March-2020, there was a ~~hope with the In from the Indian manufacturer to for~~ need for vaccination for the people to fight the combat & overcome the disease. However, India was in a day of hope that the export of vaccination from Russia or United states of America that the vaccination for the vulnerable people of India, Front-liners working with Hospitals, Municipal Corporation workers. who lost their jobs & were not having any way to earn the money ~~&~~ to feed the basic needs to the family.

In the leadership of Hon'ble prime Minister of India & other states chief minister's. a Visionary brain behind ~~all the~~ to tackle the ~~situation~~ pandemic situation, Shri Narendra Modi. & team form an ~~dist~~ disastour managment Team to tackle the pandemic, ~~& daughter~~ two-(02) Companies came up with the hope for survival of the people of India ie. Bharat Biotech & Serum Institute of India. gave Covishield & Covaxin vaccination & made India proud with the instint ~~of~~ to fight the combat.

The above scenario was possible ~~with~~ in view of the open door policy methodology obtained by government of India with a

message to the business Associates to come up with the action plan to be implemented with the integrity in favour of people of India & also to help the other Countries beneficiaries by the Vaccination which is made in India.

We the youth of India are hereby. ~~pledg~~ take a pledge that, ~~the first & the foremost~~ To take Education in the Right form, to Eradicate Corruption, To implement the Articles mentioned in the Constitution of India, To treat equally to the people, believe in humanity & ~~Self~~ to be honest with work & have Transparency in the work culture.

Last but not the least, I would like to mention above all, owe Freedom Fighters. Sh. Mahatma Gandhi, Netaji Subhash chandra Bose, Lala Lajpat Rai, Sardar Vallabhai patel, Moulana Abdul Kalam Azad, Sukhdev, Gopal Krishna Gokhale, Lokmanya Bal Gangadhar Tilak Chandra Shekhar Azad, & other are among the prominent Freedom Fighters with out whom our dream of independence would have not been possible. Our Country is free today of British rule because of their sacrifice & hard effort. This is the day on which every citizen of the country honours our freedom fighters.

→ Jai Hind →